आत्मा

सीतामढ़ी द्वारा दिनांक 27 मार्च 2012 को अनुमण्डलीय कृषि प्रक्षेत्र, मुरादपुर, सीतामढ़ी में दो दिवसीय कृषक वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभन्न प्रखण्डों के 25 कृशकों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केन्द्र, सीतामढ़ी के वैज्ञानिकों के साथ जिला कृषि पदाधिकारी श्री सुरेन्द्र प्रसाद, परियोजना निदेशक, आत्मा श्री रामेश्वर साहु, कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी श्री कन्हैया सिंह, विशय वस्तु विषेशज्ञ श्री आलोक कुमार तथा श्री ज्ञानभूषण ने उपस्थित कृशकों के साथ छोटे जोत के कृषकों की मुख्य समस्यायों पर चर्चा की तथा कृषकों को समेकित कृषि प्रणाली अपनाने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम के पहले दिन कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डा0 आनन्द, वैज्ञानिक डा0 रामईश्वर तथा परियोजना निदेशक, आत्मा श्री रामेश्वर साहु ने उपस्थित कृषकों के साथ मिल कर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का भुभारम्भ किया। परियोजना निदेशक, आत्मा के अनुसार दीप प्रज्जवलित करने में सभी की भागीदारी कराना इस बात का द्योतक है कि आत्मा का कोई भी कार्यक्रम चलाना अकेले किसी एक पदाधिकारी से संभव नही है, कृषकों सहीत सभी के सहयोग से ही कार्यक्रम चलाने में सफला मिलेगी।

कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डा0 आनन्द, ने किसानों के साथ चर्चा शुरू करते हुए कहा कि छोटे जोत के किसानों के लिए समेकित कृषि प्रणाली ही एकमात्र विकल्प है। परम्परागत खेती से किसानों को साल में केवल दो बार ही आय प्राप्त हो पाती है, परन्तु समेंकित कृषि प्रणाली अपना कर नियीमत आय प्राप्त किया जा सकता है। डा0 रामईश्वर ने बताया कि एक एकड खेत से साल भर में एक लाख से अधिक आमदनी तक प्राप्त किया जाना भी संभव है, यदि किसान समेंकित कृषि प्रणाली का प्रयोग करते हैं। उनके अनुसार छह से सात कट्ठा जमीन में पोखर खुदवाया जाए एवं उसके मेंढ़ पर सब्जी की खेती की जाए तथा पोखर के उपर मचान डाल कर मुर्गी पालन किया जाए तो नियीमत आमदनी प्राप्त की जा सकती है। उपस्थित कुछ किसानों ने उनकी इस योजना में अपनी दिलचस्पी प्रकट की तथा उन्हें खेत पर आकर योजना का ले–आउट बना देने की मांग की। उपस्थित किसानों ने इस मिलन कार्यक्रम को पूर्णरूपेण सार्थक बताया तथा आत्मा, सीतामढ़ी के प्रयास की सराहना की।